****

PRABHU SUMIRAN

(Hindi)

****

अनुक्रमणिका

NDIA)

क्रम	भजन की प्रथम पंक्ति	पृष्ठ संख्या

क्रम	भजन की प्रथम पंक्ति	पृष्ठ संख्या
६२.	भज मन मनमोहन अविनाशी	७९
६३.	जगत में कोई नहीं अपना	८०
६४.	हरि ओ३म नमो	८१
६५.	भजमन रामचरण सुखदाई	८२
६६.	सुमिरन कर ले मेरे मना	८३
६७.	कहां छोड़ चले नन्दलाल	८४
६८.	शिव शिव जपले	८५
६९.	ओ३म श्री राम जय राम	८६
७०.	जपले हरि का नाम सांझ सकारे	८७
७१.	श्याम राधे हरि श्याम राधे	८८
७२.	राम रमय्या जग रखवारे	८९
७३.	तेरे द्वार खड़ा	९०
७४.	रोम-रोम में बसने वाले राम	९२
७५.	फिर से आ जाओ बलराम कन्हैया	९३
७६.	जिसका प्रीतम नन्द किशोर	९४
७७.	प्यारा ये नन्दलाल	९५
७८.	मोर बोले चकोर बोले	९६

—oo—

जै गणपति जै गणनायक-जै गणेश जै गणेश

जै गणपति वन्दन गणनायक
तेरी छवि अति सुन्दर सुखदायक
जै गणपति...

तू चार भुजाधारी मस्तक सिन्दूरी रूप निराला
है मूषक वाहन तेरो तू ही जग का रखवाला
तेरी सुन्दर मूरत मन में,
तू पालक सिद्धि विनायक—जै गणपति...

मन मन्दिर का अंधियारा तेरे नाम से हो उजियारा
तेरे मन की ज्योति जली तो मन में बहती सुखधारा
तेरो सुमिरन हर पूजन में,
सबसे पहले फलदायक—जै गणपति...

तेरे नाम को जिसने ध्याया उस पर रहती सुखछाया
मेरे रोम-रोम अन्तर में एक तेरा रूप समाया
तेरा महिमा तू ही जाने,
शिव-पार्वती के बालक—जै गणपति...

गायक: अनूप जलोटा

स्वीकारो मेरे प्रणाम

"विघ्न हरण गौरी के नंदन सुमरि सदा सुखदाई रे!
तुलसीदास जो गणपति सुमिरे कोटिविघ्न टल जाई रे!
वेद पुराण कथा से पहले जो सुमिरै सुखदाई रे!
अष्ट सिद्धि नवनिद्धि लक्ष्मी मन इच्छा फलदाई रे!"

सुख वरण प्रभु नारायण हे!
दुःख हरण प्रभु नारायण हे!
त्रिलोक पति दाता सुख धाम,
स्वीकारो मेरे प्रणाम ! !

त्रिलोकपति दाता सुखधाम, स्वीकारो मेरे प्रणाम,
स्वीकारो मेरे प्रणाम प्रभु स्वीकारो मेरे प्रणाम।

मन वाणी में वो शक्ति कहाँ
जो महिमा तुम्हारी गान करे
अगम अगोचर अविकारी
निर्लेप हो हर शक्ति से परे
हम और तो कुछ भी जाने ना
केवल गाते हैं पावन नाम
स्वीकार करो मेरे प्रणाम...
आदि मध्य और अन्त तुम्हीं
और तुम्हीं आत्म अधारे हो

भगतों के तुम प्राण प्रभु
इस जीवन के रखवारे हो
तुममें जीवें, जनमें तुममें
और अन्त करें तुममें प्रणाम...
स्वीकारो मेरे प्रणाम...
चरण कमल का ध्यान धरूँ
और प्राण करें सुमिरन तेरा
दीन आश्रय दीनानाथ प्रभु
भव बन्धन काटो हरि मेरा
शरणागत के श्याम हरि
हे नाथ मुझे तुम लेना थाम
स्वीकारो मेरे प्रणाम...

गायक : हरि ओम् शरण

रंग दे चुनरिया ओ गिरधारी

रंग दे चुनरिया-३
रंग दे, रंग दे, रंग दे चुनरिया
रंग दे, चुनरिया ओ, हे गिरधारी-३
कोई कहे इसे मैली चदरिया
कोई कहे इसे पाप गठरिया-२

अपने ही रंग में, रंग दे मुरारी
रंग दे चुनरिया...

मोह माया में मन भटकाया
सुमिरन तेरा ना कर पाया-२
प्रभु ये बन्धन खोलो मेरे
आया हूँ मैं द्वारे तेरे
जाऊँ कहाँ तज शरण तुम्हारी
रंग दे चुनरिया...

ये जीवन धन तुमसे पाया
प्रभु तुम्हीं से ये स्वर पाया-२
तेरी ही महिमा गाई न कोई
मन की माला मन में सोई
सुमिरन जोति जला हितकारी
रंग दे चुनरिया...

तुम स्वामी हम बालक तेरे
सुनो पुकार तुम्हीं हो मेरे
जनम जनम का तुमसे नाता
तू ही जग का एक विधाता
एक तुम्हीं से प्रीत हमारी
रंग दे चुनरिया...

गायक: अनूप जलोटा

इक वही पार लगाए रे

हरि हरि जपले, मनुवा क्यूं घबराए।
इक वही पार लगाए रे, इक वही पार लगाए॥

झूठे सारे जग के नाते
कैसे जग बन्धन को काटे
एक है सच्चा नाता जग में
सब अर्पण उसके चरणन में
हर पल ये मन प्रभु के ही गुण गाए
इक वही पार...

तेरे नाम की महिमा भारी
मीरा भई मोहन मतवारी
तेरा नाम लिया ब्रज में
तुम आए मुरलीधर गिरधारी
नाम तेरा, धाम तेरा मेरे मन को भाए
इक वही पार...

मन मन्दिर अन्तर में मूरत
नैनों में हर पल तेरी सूरत
ये तन तेरी महिमा गाए
मेरे मन में तू रम जाए

सीताराम राधेश्याम जो सुमिरे सुख पाए
इक वही पार...

गायक: अनूप जलोटा

मेरा जीवन तेरे हवाले प्रभु

मेरा जीवन तेरे हवाले प्रभु
इसे पग पग तू ही संभाले
भव सागर में जीवन नैया
डोल रही है ओ रखवैया-२
इसे अब तू आके बचाले प्रभु—मेरा जीवन...
मोह माया के बन्धन खोलो
हे प्रभु अपनी शरण में ले लो-२
इस पापी को अपना ले प्रभु इसे पग पग...
ये जीवन है तुमसे पाया
सब है तेरे कोई न पराया-२
इसे तार ओ बंसी वाले प्रभु इसे पग पग—

गायक: अनूप जलोट

राम रमैया राम रमैया

राम रमैया—राम रमैया-२ राम रमैया
कृष्ण कन्हैया, कृष्ण कन्हैया-२ कृष्ण कन्हैया

भज ले राम रमैया-२
भजले कृष्ण कन्हैया-
पार लगे तेरी नैया राम—

जाने अंजाने रस्ते यहाँ के तुझको भुलाने वाले
भूल भी जायें रस्ता अगर तो हैं राम बताने वाले

भज ले राम रमैया
राम सुमिर ले भैया

एक तुम्हारे राम सहारे ये जीवन की डोरी
तू चाहे तो पार लगेगी जीवन नैया मोरी-२

भज ले राम रमैया
एक वही रखवैया.

नैन. हमारे श्याम तुम्हारे रूप में खोए खोए
कैसी प्रीत जगी मन माला तेरो नाम पिरोए-२

भज ले कृष्ण कन्हैया
मनहर. बन्सी बजैया

गायक: अनूप जलोटा

जै गोविन्दा गोपाला

जै गोविन्दा गोपाला मनमोहन श्याम कन्हैया।
मुरलीधर गोपाला घनश्याम नन्द के लाला॥

जै गोविन्दा—

जगपालक तू रास रचैया गोवर्धन गिरधारी।
कितने नाम तेरे नटवर तू साँवल कृष्ण मुरारी-२
मोर मुकुट मन हर ले बलिहारी हर ब्रजबाला

मुरलीधर—

तू ही सागर में रमता तू ही धरती पाताल
जल नभ में और जगत में तेरी जै-जैकार-२
मेरे मन मन्दिर में स्वामी तुझसे ही उजियाला

मुरलीधर—

जिसका कोई नहीं इस जग में उसका मीत कन्हैया
बंसी बजैया, रास रचैया, काली नाग नथैया-२
राजा हो या दीन भिखारी सबका तू रखवाला

मुरलीधर—

गायक: अनूप जलोटा

कभी कभी भगवान को भी भक्तों से काम पड़े

जाना था गंगा पार, प्रभु केवट की नाव चढ़े।
कभी-कभी भगवान को भी भक्तों से काम पड़े॥

अवध छोड़ प्रभु वन को धाये
सियाराम लखन गंगा तट आये
केवट मन ही मन हर्षाये
घर बैठे प्रभु दर्शन पाये
हाथ जोड़ कर प्रभु के आगे केवट मगन खड़े।
कभी-कभी भगवान...

प्रभु बोले तुम नाव चलाओ
पार हमें केवट पहुँचाओ
केवट कहता सुनो हमारी
चरण धूल की माया भारी
मैं गरीब नैया मेरी नावी न होय पड़े।
कभी-कभी भगवान...

केवट दौड़ के जल भर लाया
चरण धोये चरणामृत पाया
वेद ग्रन्थ जिनके यश गाये
केवट उनको नाव चढ़ाये

बरसे फूल गगन से ऐसे भक्त के भाग बड़े
कभी-कभी भगवान...

चली नाव गंगा की धारा
सिया राम लखन को पार उतारा
प्रभु देने लगे नाव उतराई
केवट कहे नहीं रघुराई
पार किया मैंने तुमको अब तू मोहे पार करे
कभी-कभी भगवान...

गायकः अनूप जलोटा

जय जगदम्बे माँ

जय जगदम्बे माँ—जय माँ
जय जगदम्बे माँ—जय माँ
जगदम्बे—जय जगदम्बे माँ
गौरवशाली वैभवशाली तुझको करूँ प्रणाम
जगदम्बे—

मुझे बचाते पीड़ाओं से वरद् हस्त जो तेरे
तेरे मन्दिर आते-जाते पाँव थके ना मेरे-२
जय माँ—जय माँ—

तूने माता सदा बनाये मेरे बिगड़े काम
जगदम्बे—

तेरी महिमा मैं क्या गाऊँ सारी दुनिया जाने
उसको विपदा कभी न घेरे जो कोई तुझको माने-२
जय मां—जय मां—

तेरे दो चरणों में देखे मैंने चारों धाम
जगदम्बे—

माता तेरे सुमिरन में ये कैसा अमृत पाया
मोह जगत से दूर हुए भय कोई न मन में आया
जय माँ—जय माँ—

तुमको गाऊँ तुमको ध्याऊँ माता सुबहो शाम
जगदम्बे—

गायक: अनूप जलोटा

रसना निसदिन भज हरिनाम

"रसना निसदिन भज हरिनाम।
रामकृष्ण श्री कृष्ण राम-२॥"

रसना निसदिन भज हरिनाम
भजो राम कृष्ण श्री कृष्ण राम-२
दोनों सुखकर आनन्द धाम—
भजो राम कृष्ण श्री कृष्ण राम-२
कान्हा या चितचोर कहो
रघुवर अवध किशोर कहो-२
प्रतिदिन बोलो आठों याम—
भजो राम कृष्ण श्री कृष्ण राम-२
राघव सा कोई कृपालु नहीं
माधव सा कोई दयालु नहीं-२
आरत जन के काटे फ़ाम
भजो राम कृष्ण श्री कृष्ण राम-२
धनुषधारी मुरली धारी
जय रघुवंशी जय बनवारी-२
प्रेम बिन्दु दोनों का धाम
भजो राम श्रीकृष्ण कृष्ण राम-२

गायक: अनूप जलोटा

दो दिन का जग में मेला

"चलती चक्की देखके दिया कबीरा रोय
दो पाटन के बीच में साबुत बचा न कोय।"

दो दिन का जग में मेला, सब चला-चली का खेला-२
कोई चला गया कोई जावे, कोई गठरी बांध सिधावे
कोई खड़ा तैयार अकेला ऽऽऽ

सब चला चली का खेला रे
दो दिन का जग में मेला...

मात पिता सुत नारी भाई अन्त सहायक नाहीं
फिर क्यूँ भरता पाप का ठेला रे-२

सब चला चली का—
दो दिन का जग में मेला—

ये तो है नश्वर संसारा, भजन तू करले ईश का प्यारा
ब्रह्मानन्द कहे सुन चेला रे-२

सब चला चली का—
दो दिन का जग में मेला...

गायक: अनूप जलोटा

जग में सुन्दर हैं दो नाम

जग में सुन्दर हैं दो नाम
चाहे कृष्ण कहो या राम
बोलो राम, राम राम, बोलो श्याम, श्याम, श्याम
माखन ब्रज में एक चुरावे
एक बेर भिलनी के खावे
प्रेम भाव से भरे अनोखे दोनों के हैं काम
जग में सुन्दर...

एक हृदय में प्रेम बढ़ावे
एक ताप सन्ताप मिटावे
दोनों सुख के सागर हैं और दोनों पूरण काम
जग में सुन्दर...

एक कंस पापी को मारे
एक दुष्ट रावण संहारे
दोनों दीनों के दुःख हारक हैं दोनों बल के धाम
जग में सुन्दर...

एक राधिका के संग साजे
एक जानकी संग विराजे
चाहे सीताराम कहो या बोलो राधेश्याम
जग में सुन्दर—

गायक: अनूप जलोटा

नाम हरि का जप ले बंदे

"राम नाम रटते रहो, जब तक घट में प्राण।
कभी तो दीन दयाल के भनक पड़ेगी कान॥"

नाम हरि का जपले बन्दे, फिर पीछे पछतायेगा
तू कहता है मेरी काया, काया का गुमान क्या-२
चाँद सा सुन्दर ये तन मेरा, मिट्टी में मिल जायेगा
फिर पीछे पछतायेगा, नाम हरि का...

बन्दे वहाँ से तू क्या लाया, यहाँ से क्या ले जायेगा
मुट्ठी बाँधके आया जग में, हाथ पसारे जायेगा
फिर पीछे पछतायेगा, नाम हरि का...

बालापन में खेला खाया, आई जवानी मस्त रहा
बूढ़ापन में रोग सताये, खाट पड़ा पछतायेगा
फिर पीछे पछतायेगा, नाम हरि का—

जपना है तो जपले बन्दे आखिर तो मिट जायेगा
कहत कबीर सुनो भई साधो करनी का फल पायेगा
करनी का फल पायेगा, नाम हरि का...

गायक: अनूप जलोटा

तेरे मन में राम, तन में राम

तेरे मन में राम, तन में राम
रोम-रोम में राम रे,
राम सुमिर ले ध्यान लगाले
छोड़ के जगत के काम रे,
बोलो राम, बोलो राम,
बोलो राम, राम राम-२

माया में तू उलझा-उलझा दर-दर धूल उड़ाये
अब करता क्यों मन भारी जब माया साथ छुड़ाये रे
दिन तो बीता दौड़ धूप में
ढल जाये ना शाम रे
बोलो राम, बोलो राम!
बोलो राम राम राम-२

तन के भीतर पाँच लुटेरे डाल रहे हैं डेरा
काम, क्रोध, मद, लोभ, मोह ने तुझको ऐसा घेरा
भूल गया तू राम रटन, भूला पूजा के काम रे
बोलो राम, बोलो राम!
बोलो राम राम राम-२

बचपन बीता खेल-खेल में आई जवानी सोया
देख बुढ़ापा सोचे अब तू, क्या पाया क्या खोया
देर नहीं है अब भी बन्दे ले ले उसका नाम रे
बोलो राम बोलो राम!
बोलो राम राम राम-२

गायक: अनूप जलोटा

हरि बोलो हरि बोलो

"जो नर सुमिरन नित करे सुख अपार वो पाये।
लगन लगे हरिनाम की भवसागर तर जाये।"

हरि बोलो हरि बोलो मनुवा रे !
हरि बोलो हरि बोलो हरि बोलो मनुवा रे,
पापा कटे दुःख मिटे दूर हो अन्धेरा

हरि बोलो-२

ध्यान में प्रभु के ये मनुवा यूं लागे
जग की ये माया और ममता भुलादे-२
एक नाम तेरा प्रभु मन मेरा जपे रे
हरि बोलो, हरि बोलो मनुवा रे, हरि बोलो।
तू ही है दाता तेरे गुण मैं गाऊँ
तेरी शरण में हूँ तुझको रिझाऊँ-२

तेरे दर्शन को नयन ये खुले रे
हरि बोलो, हरि बोलो मनुवा रे, हरि बोलो।
जब से है मन में तेरी प्रीत जागी
तेरे जपन की लगन मन में लागी-२
नैनों में तेरी छवि साँझ और सवेरे
हरि बोलो, हरि बोलो मनुवा रे, हरि बोलो।
पाप कटे दुःख मिटे दूर हो अंधेरा
हरि बोलो-२

गायकः अनूप जलोटा

तेरे चरण मेरे मथुरा काशी

तेरे चरण मेरे मथुरा काशी
बनवारी ब्रज के वासी
अंखियाँ दर्शन की मतवारी
मनमोहन मन के वासी
तू घट घट में है समाया
तेरी महिमा मैं क्या गाऊँ
सब मैंने तुमसे पाया
तुमको अब क्या भेंट चढ़ाऊँ
तू ही सबका रखवाला प्रभु
तू मन का जोत प्रकाशी

अंखियाँ दर्शन की मतवारी
मनमोहन मन के वासी
तेरी बंसी की धुन बाजी
सबकी सुध बुध खोने लागी
बंसीवट की छैया में
तेरी मुरली हर पल गाती
तेरा मोर मुकुट साँवल सूरत
अंखियाँ इस छवि की प्यासी
अंखियाँ दर्शन की मतवारी
मनमोहन मन के वासी
मेरा मन तेरा मन्दिर है
भगवन! इसमें तू ही समाया
मेरे रोम-रोम अन्तर में
तूने भक्ति का दीप जलाया
तेरी शरण में हूं मोहे अपना ले
तेरे द्वार खड़ा अभिलाषी
अंखियाँ दर्शन की मतवाली
मनमोहन मन के वासी
तेरे चरण मेरे मथुरा काशी
बनवारी ब्रज के वासी

गायक: अनूप जलोटा

हरि को अपना मीत बनाले

"राम सियाराम सियाराम—जै जै राम।
राम सियाराम, सियाराम जै जै राम।"

हो हरि को अपना मीत बना ले
हर दुख से छुटकारा पा ले
राम सियाराम, सियाराम जै जै राम-२

तन तरुवर पल भर में सूखे
आत्मा जिस दिन तन से निकले
प्रिय कोई भी काम न आये
बात ये अभी से तू ये सोच ले
हरि गुण से तू मन को सजा ले
हर दुख से छुटकारा पा ले
राम सियाराम, सियाराम जै जै राम-२

हो हरि को अपना मीत बना ले
जीवन जब तक तन की शोभा
लागे हर प्राणी को प्यारी
जीवन पंछी जब उड़ जाये
बन जाये मन मिट्टी कारी

(२९)

एक हरि से लगन लगाले
हर दुख से छुटकारा पाले
राम सियाराम, सियाराम जै जै राम
हो, हरि को अपना मीत बना ले...
भोर भए जब सूरज आये,
सूरजमुखी फूल खिल जाये
प्रभु का तेज अपार जगत में
मन का अंधियारा मिट जाये
हरि का तेज तू मन में बसाले
हर दुख से छुटकारा पाले
राम सियाराम, सियाराम जै जै राम
हो, हरि को अपना मीत बनाले...

गायकः अनूप जलोटा

हे शारदे माँ

हे शारदे माँ, हे शारदे माँ
अज्ञानता से हमें तार दे माँ
तू स्वर की देवी, ये संगीत तुझसे
हर शब्द तेरा है, हर गीत तुझसे
हम हैं अकेले, हम हैं अधूरे
तेरी शरण हम हैं, हमें प्यार दे माँ

हे शारदे माँ...

मुनियों ने समझी गुणियों ने जानी
वेदों की भाषा पुराणों की बानी
हम भी तो समझें हम भी तो जानें
विद्या का हमको अधिकार दे माँ

हे शारदे माँ...

तू श्वेत वरणी कमल पे विराजे
हाथों में वीणा मुकुट सर पे साजे
मन से हमारे मिटा के अन्धेरे
हमको उजालों का संसार दे माँ

हे शारदे माँ...

गायकः अनूप जलोटा

जय शंकर भोले

जय शंकर भोले, जय शंकर भोले
जय शिव शंकर, जय शिव शंकर
जय शंकर भोले...

सब देवों में देव निराले, जै बम बम भोले
जय शंकर भोले...

महादेव तुमने ही तो सब देवों का संताप हरा
सागर मंथन में निकला विष, तूने अपने कंठ भरा
इसीलिए हर प्राणी तुझको नीलकंठ बोले
सब देवों में देव...

तेरे नाम अनेकों बाबा तेरी महिमा न्यारी
तेरे भेद अनोखे सबसे क्या जाने संसारी
तू ही है कैलाशपति तू पर्वत पर डोले
सब देवों में देव...

सीस तुम्हारे गंगा मैया चन्द्र शिखर पे सोहे
तन पे सर्प विचरते रहते भक्तों के मन मोहे
उसको कैसे कष्ट जगत में नाम तेरा जो ले
सब देवों में देव...

गायक: अनूप जलोटा

राम नाम जो मनुवा गाए

राम नाम जो मनुवा गाए रे !
पाप कटे क्षण में सुख पाए रे !
सियाराम सियाराम सियाराम राम राम-२
ये तन तेरा, जोबन तेरा मिट जाएगा प्राणी
धन तेरा तेरे संग न जाए क्यों करता मनमानी
प्रभु नाम इक साथ में जाए रे !
पाप कटे क्षण में सुख पाए रे ! सियाराम—
क्यूं तूने मन उलझाया ये झूठे बंधन सारे
तेरे जाते ही तुझको भूलेंगे तेरे प्यारे
मनुवा तेरा हरि गुण गाए रे !
पाप कटे क्षण में सुख पाए रे ! सियाराम—
जो भी ध्याया वो सुख पाया नाम सदा सुखदाई
हरि नाम ने कितने संतों को ये राह सदा दिखाई
भजले-भजले राम की माला रे !
पाप कटे क्षण में सुख पाए रे ! सियाराम—
राम नाम जो मनुवा गाए रे !
पाप कटे क्षण में सुख पाए रे-२

गायकः अनूप जलोटा

हम तो बालक तेरे

हम तो बालक तेरे भगवान तुम हो कृपानिधान
कैसे गाऊँ महिमा तेरी कैसे करूँ बखान
हरि बोलो बोलो रे, हरि बोलो-२ रे...
माता-पिता गुरु सखा तुम्हीं हो, तुम्हीं हो पालनहार
तेरे भरोसे जीवन मेरा, तू ही करेगा पार
तुम हो देवी देवता मेरे, तुम हो जीवन प्राण
कैसे गाऊँ महिमा तेरी कैसे करूँ बखान
हरि बोलो-२ रे...

तेरे मिलन को मन मेरा दर-दर भटका भगवान
जनम-जनम और युगों से खोजूँ तेरा धाम
तू मन में ही बैठा था मैं सदा रहा अन्जान
कैसे गाऊँ महिमा तेरी कैसे करूँ बखान
हरि बोलो-२ रे...

तुमको पाया सब पाया अब नहीं कोई अभिलाषा
इस नश्वर जग से क्या पाया हर कोई जाए प्यासा
तेरी शरण में आया मनुवा स्वीकारो भगवान
कैसे गाऊँ महिमा तेरी कैसे करूँ बखान
हरि बोलो-२ रे...

गायकः अनूप जलोटा

जै नन्दलाला जै गोपाला

"जै गणेश गणनाथ दयानिधि
सकल विघ्न कर दूर हमारे
मम वंदन स्वीकार करो प्रभु
चरण शरण हम आये तुम्हारे"

जै नन्दलाला जै गोपाला-२
जय नन्दलाला जय जय

श्री राधे गोविन्दा, मन भज ले
हरि का प्यारा नाम है
गोपाला हरि का प्यारा नाम है,
नन्द लाला हरि का प्यारा नाम है
श्री राधे गोविन्दा—

मोर मुकुट सिर, गल बनमाला,
केसर तिलक लगाए-२
वृन्दावन की कुन्ज गलिन में
सबको नाच नचाये-२
श्री राधे गोविन्दा—

जै नन्दलाला जै गोपाला,
जै नन्दलाला जै गोपाला।

जमुना किनारे धेनु चरावे,

माधव मदन मुरारी-२

मधुर मुरलिया जभी बजावे,

हर ले सुध बुध सारी-२

श्री राधे गोविन्दा—

गिरधर नागर कहती मीरा,

सूर को श्याम लुभाया-२

तुकाराम और नामदेव ने,

बिट्ठल-बिट्ठल गाया-२

श्री राधे गोविन्दा—

जै नन्दलाला जै गोपाला

जै नन्दलाला जै गोपाला

राधा शक्ति बिना ना कोई

श्यामल दर्शन पावें-२

आराधना कर राधे राधे,

कान्हा भागे आवे-२

श्री राधे गोविन्दा—

गायक: हरि ओम् शरण

उद्धार करो भगवन

''सियाराम मय सब जग जानी
करहुँ प्रणाम जोरि जुग पानी
जपहि नाम जन आरत भारी
मिटहिं कुसंकट होहिं सुखारी
नाम लेत भव सिंधु सुखाहीं
करहु विचार सुजन मन माँहीं।''

उद्धार करो भगवान तुम्हरी शरण पड़े
भव पार करो भगवान तुम्हरी शरण पड़े
कैसे तेरा नाम ध्यायें
कैसे तुम्हारी लगन लगायें-२
हृदय जगा दो ज्ञान, तुम्हरी शरण—
पंथ मतों की सुन-सुन बातें
द्वार तेरे तक पहुंच न पाते-२
भटकें बीच जहान, तुम्हरी शरण—
तू ही श्याम कृष्ण मुरारी
राम तू ही गणपति त्रिपुरारी
तुम ही बने हनुमान, तुम्हरी शरण—
ऐसी अन्तर जोत जगाना
हम दीनों को शरण लगाना
हे प्रभु दयानिधान, तुम्हरी शरण—

गायकः हरि ओम् शरण

मैली चादर ओढ़ के

मैली चादर ओढ़ के कैसे द्वार तुम्हारे आऊँ-२
हे पावन परमेश्वर मेरे, मन ही मन शरमाऊँ
मैली चादर ओढ़...
तूने मुझको जग में भेजा निर्मल देकर काया
आकर के संसार में मैंने इसको दाग लगाया
जनम-जनम की मैली चादर कैसे दाग छुड़ाऊँ
मैली चादर ओढ़...
निर्मल वाणी पाकर तुझसे नाम न तेरा गाया
नैन मूँदकर हे परमेश्वर कभी न तुझको ध्याया
मैली चादर ओढ़...
इन पैरों से चलकर तेरे मन्दिर कभी न आया
जहाँ-जहाँ हो पूजा तेरी कभी न शीश झुकाया
हे हरिहर मैं हार के आया अब क्या हार चढ़ाऊँ
मैली चादर ओढ़—

गायक: हरि ओम् शरण

दाता एक राम

"दाता एक राम—दाता एक राम—दाता एक राम।"

दाता एक राम भिखारी सारी दुनिया-२
राम एक देवता पुजारी सारी दुनिया-२

दाता एक राम—

द्वारे पे उसके जाके कोई भी पुकारता-२
परम कृपा दे अपनी भव से उबारता-२
ऐसे दीनानाथ पे बलिहारी सारी दुनिया—

दाता एक राम—

दो दिन का जीवन प्राणी करले विचार तू-२
प्यारे प्रभु को अपने मन में निहार तू-२
बिना हरि नाम के दुखियारी सारी दुनिया—

दाता एक राम—

नाम का प्रकाश जब अन्दर जगायेगा-२
प्यारे श्री राम का तू दर्शन पायेगा-२
ज्योति से जिसकी है उजियारी सारी दुनिया—

दाता एक राम—

गायकः हरि ओम् शरण

ऐसा प्यार बहा दे मैया

या देवि सर्वभूतेषु दयारूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥
दुर्गा दुर्गति दूर कर मंगल कर सब काज।
मन मन्दिर उज्जवल करो कृपा करके आज॥

ऐसा प्यार बहा दे मैया
चरणों से लग जाऊँ मैं-२
सब अन्धकार मिटा दे मैया
दरस तेरा कर पाऊँ मैं-२
ऐसा प्यार...

जग में आकर अब तक मैया
जग को न पहचान सका-२
क्यों आया हूँ कहाँ है जाना
ये भी न मैं जान सका-२
तू है अगम अगोचर मैया
कहो कैसे लख पाऊँ मैं-२
ऐसा प्यार...

करो कृपा जगदम्बा भवानी
मैं बालक नादान हूँ-२

नहीं अराधना जप तप जानूं
मैं अवगुण की खान हूँ-२
दे ऐसा वरदान हे मैया
सुमिरन तेरा गाऊँ मैं-२
ऐसा प्यार...

मैं बालक तू मैया मेरी
निसदिन तेरी ओट है-२
तेरी कृपा ही मैं तेरी
भीतर जो भी खोट है-२
शरण लगालो मुझको मैया
तुझ पर बलि बलि जाऊँ मैं-२
ऐसा प्यार...

गायक: हरि ओम् शरण

तेरा राम जी करेंगे बेड़ा पार

"राम नाम सोही जानिए जो रमता सकल जहान।
घट-घट में जो रम रहा उसको राम पहचान॥"

तेरा राम जी करेंगे बेड़ा पार
उदासी मन काहे को करे रे
काहे को डरे रे काहे को डरे—
नैया तेरी राम हवाले
लहर-लहर हरि आप संभाले-२
हरि आप-आप ही उठावें तेरा भार

उदासी मन—

काबू में मझधार उसी के
हाथों में पतवार उसी के
तेरी हार भी नहीं है तेरी हार

उदासी मन—

सहज किनारा मिल जायेगा
परम सहारा मिल जायेगा
डोरी सौंप के तो देख इक बार

उदासी मन—

गायकः हरि ओम् शरण

आरती कुञ्जबिहारी की

"वसुदेव सुतं देव कंस चाणूर मर्दनम्।
देवकी परमानन्दम् कृष्ण वंदे जगद् गुरूम्॥"

आरती कुञ्ज बिहारी की
श्री गिरधर कृष्ण मुरारी की-२
गले में वैजंती माला-माला
बजावे मुरली मधुर बाला-बाला
श्रवण में कुण्डल झलकाला-झलकाला

नन्द के नन्द, श्री आनन्द कंद, मोहन ब्रजचंद
राधिका रमण बिहारी की
श्री गिरधर कृष्ण मुरारी की

आरती—

गगन सम अंग काँति काली-काली
राधिका चमक रही आली-आली
लतन में ठाड़े बनमाली-बनमाली
चंवर सी अलक, कस्तूरी तिलक

चन्द्र सी झलक, ललित छवि श्यामा प्यारी की
श्री गिरधर कृष्ण मुरारी की

आरती—

जहाँ पे प्रकट भई गंगा-गंगा
कलुष कलि हारी श्री गंगा-गंगा
मरण पे होत मोह भंगा-भंगा
बसी शिव शीश जटा के बीच हरे अघकीच
चरण छवि श्री बनवारी की
श्री गिरधर कृष्ण मुरारी की
आरती—

गायकः हरि ओम् शरण

—७—

राम सुमिर के रहम करे ना

राम सुमिर के रहम करे ना
फिर कैसे सुख पायेगा
कृष्ण सुमिर के करम करे ना
यूं ही जग से जायेगा—राम सुमिर—
ओ भगवान को भजने वाले!
क्या भगवान को जाना है?
पास पड़ौस दुःखी दीनों में क्या उसको पहचाना है
जब तक तेरी खुदी न टूटे खुदा नजर न आएगा
राम सुमिर के—

ये संसार करम की खेती
जो बोए वो ही पाए
प्रेम प्यार में सींच ले जीवन
ये अवसर फिर न आए-२
चार दिनों का जीवन है ये कब तक ठोकर खाएगा
राम सुमिर के—

अन्दर तेरे अन्तर्यामी
रोज तुझे समझाता है
भला बुरा क्या करना तुझको
राह तुझे दिखलाता है-२
मन की कही पे चलने वाले फिर पीछे पछतायेगा
राम सुमिर के—

शरण गए बिन जाप है निष्फल
निष्फल है जीवन तेरा
जन्म मरण की साध न छूटे
रहे दुःखों से नित घेरा-२
पाप गठरिया भारी हो गई कैसे बोझ उठायेगा
राम सुमिर के—

गायकः हरि ओम् शरण

सांई तेरी याद सदा सुखदाई

"जिस घर में हो आरती चरण कमल चित्तलाय,
तहाँ हरि वासा करें जोत अनन्त जगाय।
जहाँ भक्त कीर्तन करें बहें प्रेम दरयाव,
तहाँ हरि श्रवण करें सत्य लोक से आव।
सब कुछ दीन्हो आपने भेंट करूँ क्या नाथ,
नमस्कार की भेंट लो, जोडूं मैं दोनों हाथ॥"

साँई तेरी याद महा सुखदाई
एक तू ही रखवाला जग में-२
तू ही सदा सहाई-२—साँई तेरी याद—
तुझको भूला जग दुखियारा
सुमिरन बिन मन में अंधियारा-२
तूने कृपा बरसाई-२ साँई तेरी याद—
मन ही है ये तेरा द्वारा
बैठ यहीं पे तुझको पुकारा-२
प्रेम की ज्योति जलाई-२—साँई तेरी याद—
साँची प्रीत तुम्हारी दाता
इस जग का सब झूठा नाता-२
हूँ चरणन शरणाई-२ साँई तेरी याद...

गायकः हरि ओम् शरण

प्रभु हम पे कृपा करना

प्रभु हम पे कृपा करना,
प्रभु हम पे दया करना।

बैकुण्ठ तो यही है, हृदय में रहा करना,
प्रभु हम पे कृपा करना, प्रभु हम पे दया करना।
तुम्हीं ने राग बनकर, वीणा के तार बनके
प्रकटोगे नाथ मेरे हृदय में प्यार बनके-२
हर रागिनी की धुन पे, स्वर बनके उठा करना—

प्रभु हम पे कृपा—

नाचेंगे मोर बनकर हे श्याम तेरे द्वारे
घनश्याम छाये रहना बन करके मेघ कारे
अमृत की धार बनकर प्यासों पर दया करना।

प्रभु हम पे कृपा—

तेरे वियोग में हम दिन रात हैं उदासी
अपनी शरण में ले लो, हे नाथ ब्रज के वासी-२
तुम सोऽहम् शब्द बनकर प्राणों में रहा करना।

प्रभु हम पे कृपा—

गायक: हरि ओम् शरण

ना ये तेरा ना ये मेरा

ना ये तेरा ना ये मेरा,
मन्दिर है भगवान का।
पानी उसका, भूमि उसी की,
सब कुछ उसी महान का।
ना ये तेरा...

हम सब खेल खिलौने उसके,
खेल रहा करतार रे।
उसकी ज्योति सब में दमके,
सब में उसका प्यार रे-२।
मन मन्दिर में दर्शन करले,
उन प्राणों के प्राण का।
पानी उसका भूमि उसी की...

तीर्थ जायें मन्दिर जायें,
अनगिन देव मनायें रे।
दीन रूप में राम सामने,
देखके नयन फिरायें रे।
मन की आँखें खुल जाये तो,
क्या करना हमें ज्ञान का।
पानी उसका भूमि उसी की...

कौन है ऊँचा कौन है नीचा,
सब हैं एक समान रे।
प्रेम की जोत जगा हृदय में,
सब में प्रभु पहचान रे-२।
सरल हृदय को शरण में राखें,
हरि भोले नादान का
पानी उसका भूमि उसी की..

गायक: हरि ओम् शरण

जय भोला भण्डारी

जै भोला भण्डारी शिवहर,
जै भोला भण्डारी-२
जै कैलाशपति शिव शंकर-२
सब जग के हितकारी—जै भोला...
निश दिन तेरा ध्यान करें हम,
सिमरें मन्त्र तिहारा।
हे शिव शंकर मन्त्र जगाओ,
होवे घट उजियारा

नमामि शंकर नमामि शंकर-२

कृपा करो त्रिपुरारी—जै भोला...

शंख नाद से शब्द जगाकर,

स्वर संगीत बहाया।

युग युग से ये सृष्टि नाचे

ऐसा डमरू बजाया।

तेरी याद भुलाके जग में-२

दुःख पावें संसारी—जै भोला...

तीनों ताप हरण कर लेता,

ये त्रिशूल तिहारा।

तेरा नाम जपे से जग में,

मिलता मुक्ति द्वारा।

महादेव परब्रह्म विधाता-२

आए शरण तिहारी—जै भोला

गायक: हरि ओम् शरण

टूटे न प्रीत तिहारी

टूटे न प्रीत तिहारी, दाता टूटे ना प्रीत तिहारी,

टूटे ना टूटे ना...

टूटे ना प्रीत तिहारी, दाता टूटे ना प्रीत तिहारी।

जब से तुमने नेह लगाया-२

मन ने अपना आप भुलाया-२

मन में तन में इन साँसों में तूही कृष्ण मुरारी।

टूटे न प्रीत तिहारी...

मेरे मन मन्दिर में आना-२

आके नाथ नहीं फिर जाना-२

युगन युगन का नाता है ये, तू दाता मैं भिखारी।

टूटे न प्रीत तिहारी...

मैं हूँ जीवन तू है जीवन

तू है मुक्ति मैं हूँ बन्धन

अपनी शरण में ले ले मुझको मिट जायें विपदा सारी।

टूटे न प्रीत तिहारी...

गायक: हरि ओम् शरण

राम रहीम राम-राम

श्याम कहो सांई कहो रहिमन कहो या राम।
सब में उसकी जोत है अनगिन उसके नाम॥
राम रहीम राम-राम कृष्ण साँई श्याम।
रहिमन रहम करे सदा राम दे आराम॥
श्याम संवारे काज सब शरण होए जप नाम।

राम रहीम राम-राम

धारण करे तो धर्म है घट-घट रहा समाय।
मन्दिर में मोहन बना मस्जिद में मुस्काय॥

राम रहीम राम-राम

वो मालिक तो एक है जिसने रचा जहान।
मुस्लिम तो सिज़दा करे हिन्दू धरते ध्यान

राम रहीम राम-राम...

क्यूँ नहीं हम सब प्यार से जीवन लेते गुजार।
एक पिता सबका वही दुनिया है परिवार॥

राम रहीम राम-राम...

गायकः हरि ओम् शरण

रख लाज मेरी गणपति

"सुमिरन दीप जलाय के करूँ हृदय में ध्यान।
शरण पड़े की लाज रख, हे मेरे भगवान॥"

रख लाज मेरी गणपति,
अपनी शरण में लीजिए।
कर आज मंगल गणपति,
अपनी कृपा अब कीजिए।
सिद्धि विनायक दुःखहरण,
संतापहारी, सुखकरण-२
करूँ प्रार्थना मैं नितप्रति,
वरदान मंगल दीजिए॥
रख लाज मेरी...

तेरी दया, तेरी कृपा,
हे नाथ! हम माँगें सदा-२।
तेरे ध्यान में खोवे मति,
प्रणाम मम अब लीजिए।
रख लाज मेरी....

करते प्रथम सब वन्दना,
तेरा नाम है दुःख भंजना-२।

करना प्रभु मेरी शुभ गति
अब तो शरण रख लीजिए॥

रख लाज मेरी...

गायक: हरि ओम् शरण

तेरे नाम का सुमिरन

तेरे नाम का सुमिरन करके,
मेरे मन में सुख भर आया।
तेरी कृपा को मैंने पाया,
तेरी दया को मैंने पाया।
दुनिया की ठोकर खाके,
जब हुआ कभी बेसहारा,
न पाके अपना कोई,
जब मैंने तुझे पुकारा॥
हे नाथ! मेरे सिर ऊपर,
तूने अमृत बरसाया।

तेरी कृपा को...

तू संग में था नित मेरे,
ये नैना देख न पाये।
चंचल माया के रंग में,
ये नयन रहे उलझाये॥
जितनी भी बार गिरा हूँ,
तूने पग-पग मुझे उठाया।
तेरी कृपा को...

भव सागर की लहरों ने,
भटकाई मेरी नैया।
तट छूना भी मुश्किल था,
नहीं दीखे कोई खिवैया॥
तू लहर का रूप बनाकर,
मेरी नाव किनारे लाया।
तेरी कृपा को...

हर तरफ तुम्हीं हो मेरे,
हर तरफ तेरा उजियारा।
निर्लेप रमैया मेरे,
हर रूप तुम्हीं ने धारा।
हो शरण तेरी हे दाता!
तेरा तुझ ही को चढ़ाया।

गायक: हरि ओम् शरण

भज गोविन्दा जै गोपाला

भज गोविन्दा जै गोपाला,
भज मुरली मनोहर नन्दलाला।

भज गोविन्दा...

मधुर मनोहर साँवरे श्री हरि नन्द किशोर
नैना दरशन बावरे, दीजै चरणन ठौर-२
मन का वैरागी नाम का तेरे-२

नटवर दीनदयाला। भज गोविन्दा...

नाम तेरा भव तारन हारा दुखभंजन सुखकारी
जिसने ही हृदय में धारा उनकी विपदा टारी-२
हे हितकारी साजन मेरे-२

कष्ट मिटाने वाला। भज गोविन्दा—

सब घट अन्दर जोत तुम्हारी तू सब खेल खिलावे
तेरा दर्शन श्याम मुरारी कोई बिरला पावे-२
जन्म-जन्म का साथी तू ही-२

तू जग का रखवाला। भज गोविन्दा...

गायकः हरि ओम् शरण

माँ तेरी जय जयकार हो

दुर्गति हारिणी, दुर्गा ! अम्बे !
तेरी जय जयकार हो-२ !
भय भवतारिणी भवानी अम्बे !
मेरी नमस्कार हो-२ !!

तेरी ही शक्ति से माँ सूरज चाँद सितारे हैं,
तेरी ही माँ शक्ति लेकर खड़े हुए ये सारे हैं !
अम्बे ! जै जै अम्बे !

सुखदाई हो सृष्टि सारी !
हल्का दुख का भार हो, तेरी जय...
विश्व अम्बा सब शक्ति तो, ब्रह्मलोक पर अंत है।
तेरी महिमा का हे मैया नहीं आदि और अंत है।
अम्बे ! जै जै अम्बे !!

जन्म-जन्म तक हे ब्रह्माणी !
चरण कमल सों प्यार हो ! तेरी जय...
हे महादेवी, हे महाकाली दुष्टों का संहार करो,
मंगलमय वरदान दो मैया भव से बेड़ा पार करो।
अम्बे ! जै जै अम्बे !!

भाव भक्ति ले शरण में आये !
विनती माँ स्वीकार हो ! तेरी जय...

जै जै जै बजरंगबली

"अमृतमय प्रभु भजन से मिले परम विश्राम।
ओम्-शरण सुमिरन करें कोटिश: करें प्रणाम-२।"

जय जय जय बजरंगबली-२
महावीर हनुमान गोसाईं-२
तुम्हरी याद भली। जय जय जय—

साधु सन्त के हनुमत प्यारे
भक्त हृदय श्री राम दुलारे-२
राम रसायन पास तुम्हारे
सदा रहो तुम राम द्वारे
तुम्हरी कृपा से हनुमत वीरा
सगरी विपत टली। जय जय जय—

तुम्हरी शरण महासुखदाई
जै जै जै हनुमान गुसाईं-२
तुम्हरी महिमा तुलसी गाई
जग जननी सीता महामाई
शिव शक्ति की तुम्हरे हृदय
जोत महान जगी। जय जय जय—
जै जै श्री हनुमान, जै जै श्री हनुमान॥

गायक: अनूप जलोटा

मंगल मूरति राम दुलारे

मंगल मूरति राम दुलारे,
आन पड़ा अब तेरे द्वारे।
हे बजरंग बली हनुमान!
हे महावीर, करो कल्याण॥

तीनों लोक तेरा उजियारा,
दुखियों का तूने काज संवारा।
हे जगवंदन, केसरी नन्दन!
कष्ट हरो हे कृपा निधान॥
मंगल मूरति...

तेरे द्वारे जो भी आया,
खाली नहीं कोई लौटाया-२
दुर्गम काज बनावन हारे,
मंगल मन दीजो वरदान।
मंगल मूरति...

तेरा सुमिरन हनुमत वीरा,
नासे रोग हरे सब पीरा।
राम लखन सीता मन बसिया,
शरण पड़े का कीजे ध्यान।
मंगल मूरति...

गायक: हरि ओम् शरण

पवनसुत विनती बारम्बार

हे दुख भंजन! मारुति नन्दन,
सुनलो मेरी पुकार, पवनसुत विनती बारम्बार-२।
अष्टसिद्धि नव निधि के दाता,
दुखियों के तुम भाग्य विधाता।
सियाराम के काज संवारे,
मेरा कर उद्धार।
पवनसुत विनती...

अपरम्पार है शक्ति तुम्हारी,
तुम पर रीझे अवध बिहारी।
भक्ति भाव से ध्याऊँ तोहे,
कर दुखों से पार।
पवनसुत विनती...

जपूँ निरन्तर नाम तिहारा,
अब नहीं छोड़ूं तेरा द्वारा।
राम भक्त मोहे शरण में लीजे,
भव सागर से तार।
पवनसुत विनती...

गायकः हरि ओम् शरण

जै जै हनुमान

"वेगि हरो हनुमान महाप्रभु,
जो कुछ संकट होय हमारो।
कौन सो संकट मोर गरीब को,
जो तुमसे नहीं जात है टारो॥"

जय जय जय हनुमान गुसांई,
कृपा करो महाराज—।
तन में तुम्हारी शक्ति विराजे,
मन भक्ति से भीना।
जो जन तुमरी शरण में आये,
दुख दर्द हर लीना।
महावीर प्रभु हम दुखियन के,
तुम हो गरीब निवाज।
जै जै जै हनुमान...

राम लखन वैदेही तुम पर,
सदा रहे हर्षाये।
हृदय चीर के राम सिया का,
दर्शन दिया कराय।
दो कर जोड़ अरज हनुमन्ता,
कहियो प्रभु से आज।
जै जै जै हनुमान...

गायकः हरि ओम् शरण

तोसे राम कह्यो नहीं जाए

कैसे बैठा रे आलस में प्राणी।
तोसे राम कह्यो नहीं जाये रे—
तोसे श्याम कह्यो नहीं जाये रे॥
भोर भयो मल-मल मुख धोयो,
दिन चढ़ते ही उदर टटोयो-२।

बातन-बातन सब दिन खोयो,
साँई भई पलगां पर सोयो-२॥
सोवत-सोवत उमर बीत गई,
काल शीश मंडराय रे—तोसे राम...

लख चौरासी में भरमायो,
बड़े भाग से नर तन पायो।
अब की चूक न जाना भाई,
लुट न जाये फिर ये कमाई—॥
'राधेश्याम' समय फिर ऐसो,
बार-बार नहीं आये रे... तोसे राम...

गायकः अनूप जलोटा

आएगा जब रे बुलावा हरि का

आयेगा जब रे बुलावा हरि का।
छोड़के सब कुछ जाना पड़ेगा॥
नाम हरि का साथ जायेगा।
और तू कुछ न ले पायेगा-२॥

आयेगा जब रे...

राग द्वेष में हरि बिसरायो,
भूल के निज को जनम गंवायो-२॥

आयेगा जब रे...

सुमिरन हरि की साँची कमाई।
झूठी जग की सब है समाई-२॥

आयेगा जब रे...

आरती कर तू हरि से ऐसी।
भक्ति मिले मीरा की जैसी-२॥

आयेगा जब रे...

हाथ तेरे जीवन की बाजी।
भक्ति से कर तू हरि को राजी-२॥

आयेगा जब रे...

गायक: अनूप जलोटा

मन लागा मेरा यार फकीरी में

मन लागा मेरा यार फकीरी में॥
जो सुख पायो राम भजन में,
वो सुख नाहीं अमीरी में।
भला बुरा सबका सुन लीजे,
कर गुजरान गरीबी में।

मन लागा—

प्रेम नगर में रहिन हमारी,
भली बनि आई कबूरी में।
हाथ में कुण्डी बगल में सोटा,
चारों दिशा जागीरी में॥

मन लागा—

आखिर ये तन खाक मिलेगा,
कहां फिरत मगरूरी में।
कहत कबीर सुनो भई साधो,
साहिब मिले कबूरी में॥

मन लागा—

गायकः अनूप जलोटा

चादर हो गई बहुत पुरानी

चादर हो गई बहुत पुरानी॥
अब सोच समझ अभिमानी।
अजब जुलाहे चादर दीनी,
सूत करम की तानी-२।
सुरति निरति को भर न दीनी,
तब सब के मनमानी॥ अब सोच—

मैले दाग पड़े पापन के,
विषयन में लिपटानी।
जान के हाथों लाय के धोवो,
सत संगत के पानी॥ अब सोच—

भई मैली और भीगी सारी,
लोभ मोह में सानी-२
ऐसे ही ओढ़त उमर गंवाई,
भली-बुरी नहीं जानी॥ अब सोच—

शंका मति जान जिय अपने,
है ये वस्तु बिरानी।
कहत कबीर लाख यतन कर,
फिर नहीं हाथन आनी॥ अब सोच—

गायक: अनूप जलोटा

सुन नाथ अरज अब मेरी

सुन नाथ अरज अब मेरी।
मैं शरण पड़ा प्रभु तेरी॥
तुम मानुष तन मोहे दीन।
भजन प्रभु तुम्हरा नहिं कीना॥
विषयों ने मेरी मति फेरी—सुन नाथ...

सुत दारादिक ये परिवारा।
सब स्वार्थ का है संसारा॥
जिन हेतु पाप किए ढेरी—मैं शरण...

माया में ये जीव लुभाया।
रूप नहीं पर तुमरा जाना॥
पड़ा जनम मरण की फेरी—मैं शरण...

भवसागर में नीर अपारा।
मोहे कृपालु प्रभु करो पारा॥
'ब्रह्मानन्द' करो नहीं देरी—मैं शरण...

सुन नाथ-सुन नाथ-सुन नाथ
सुन नाथ अरज अब मेरी ऽऽऽ

गायक: अनूप जलोटा

उड़ जायेगा हंस अकेला

उड़ जायेगा हंस अकेला।
दो दिन का दर्शन मेला॥

राजा भी जायेगा, जोगी भी जायेगा–२
गुरु भी जांयेगा—चेला, उड़ जायेगा—

मात पिता भाई बंधु भी [illegible]
और ये धन का थैला।
तन भी जायेगा मन भी जायेगा,
तू क्यों भया है गैला, उड़ जायेगा—

तू भी जायेगा तेरा भी जायेगा,
सब माया का है खेला।
कौड़ी कौड़ी माया जोड़ी,
संग चले ना अधेला, उड़ जायेगा—

साथी रे साथी तेरे पार उतर गये,
तू क्यों रहा अकेला।
राम नाम निष्काम रटो नर,
बीती जाये है बेला, उड़ जायेगा—

क्यों पानी में मल मल नहाये

माला फेरत जुग गया, गया न मन का फेर।
कर का मनका डार दे मन का मनका फेर॥

क्यों पानी में मल मल नहाये।
मन की मैल उतार ओ प्राणी!

मन की मैल उतार!

पाप कर्म तन के नहीं छोड़े-२
कैसे होय सुधार—क्यों पानी में—
हाड़ माँस की देह बनी है-२
धरी सदा नव द्वार, ओ प्यारे!

मन की मैल...

सत संगत तीर्थ जल निर्मल।
नित उठ गोता मार, ओ प्राणी!

मन की मैल...

ब्रह्मानन्द भजन कर हरि का।
जो चाहे निस्तार, ओ प्राणी!

मन की मैल...

गायक: अनूप जलोटा

राम है जीवन, कर्म है श्याम

राम है जीवन, कर्म है श्याम।
बोलो हरे राम, बोलो हरे श्याम॥
जो नर दुःख में दुःख नहिं माने,
नाहीं निन्दा अस्तुति जाने,
काम क्रोध जेहिं परसे नाहीं,
गुरु कृपा सोही नर सुख पाहीं॥
सुख का विधाता है तेरो नाम—

बोलो हरे राम—

कोटि वेद जाको यश गावें,
विद्या कोटि पार न पावें।
अगम अपार पार नहिं जाको,
नाम सुमिर सब जन सुख ताको
अगम पंथ है राम और श्याम...

बोलो हरे राम—

गायकः अनूप जलोटा

नाम का दीप जलाले

नाम का दीप जलाले,
अन्धेरा पल भर में मिट जाये-२।
जिस ज्योति से जग उजियारा,
वो है ईश्वर प्राण प्यारा-२।
उसमें मनवा रमाले,
अन्धेरा पल भर में मिट जाए।

नाम का दीप—

सत संगत से लौ लग जाती,
मन को बनाले प्रेम की बाती-२।
ज्ञान की जोत जलाले,
अन्धेरा पल भर में मिट जाए।

नाम का दीप—

भजन से गूंजे मन का मन्दिर,
सुरति समाधि लगे जाग फिर-२।
शरण होय अजमाले,
अन्धेरा पल भर में मिट जाए॥

नाम का दीप—

गायक: हरि ओम् शरण

मोहे लागी लगन हरि दर्शन की

मोहे लागी लगन-मोहे लागी लगन।
हरि दर्शन की, हरि दर्शन की॥
हरि ओ३म्-४—

विश्व विधाता, मंगल दाता, मंगल दाता,
विनय सुनो अब दीनन की-२।
मोहे लागी लगन हरि दर्शन की-२॥
हरि ओ३म्-४—

हे सुखकारी! जग हितकारी,
दो शक्ति भव तरनन की-२।
मोहे लागी लगन हरि दर्शन की-२
हरि ओ३म्-४—

सरबस ले लो दर्शन दे दो-दर्शन दे दो,
बलि ले लो इस जीवन की-२।
मोहे लागी लगन हरि दर्शन की-२।
हरि ओ३म्-४—

आया शरण में आस ये मन में,
चरण कमल सब अर्पण की-२।
मोहे लागी लगन हरि दर्शन की-२॥
हरि ओ३म्-४—

गायक: हरि ओम् शरण

सबका भला मेरे राम जी करें

माँगे सबकी खैर ओ बाबा—माँगे सबकी खैर।
सबका भला मेरे राम जी करें-२
एक राम की सारी माया,
एक हवा और पानी।
एक ही जोत जले सब ही में,
क्यों नहीं सोचे प्राणी।
मन की आँख से देख रे भैया,
कोई नहीं है गैर—ओ बाबा...
चार दिनों के जीवन को तू,
रंग ले प्यार के रंग में।
मोह माया में बंधना नाहीं,
जावे ना कोई संग में।
शुभ कर्मों से भरले झोली!
करले जग की सैर—ओ बाबा...
राम है दाता सारे जग का,
उसकी देन है भारी।
बिन माँगे वो झोली भरता,
ऐसा पर उपकारी।
उसके नाम का सिमरन करके,
भवसागर से तर—ओ बाबा...

गायक: हरि ओम् शरण

संसार ने जब ठुकराया

"विनय मेरी सुन लीजिए, हे हरि! जगदाधार!
आराधन निशदिन करूँ, कर लेना स्वीकार।"

संसार ने जब ठुकराया, तब द्वार तेरे मैं आया
मैंने तुझे कभी न ध्याया, तूने सदा-सदा अपनाया
मैं मद माया में झूला, तेरे उपकारों को भूला-२
तूने कभी नहीं बिसराया, मैं ही जग में भरमाया
संसार ने...

था मोह नींद में सोया शुभ अवसर हाथ से खोया-२
जब लुट रही थी माया तूने कितनी बार जगाया
संसार ने...

जग में सब कुछ था तेरा
मैं कहता रहा मेरा-मेरा-२
अब अन्त समय जब आया
मैं मन ही मन पछताया
हरि शरण तिहारी आया
सब चरणन माहीं चढ़ाया
संसार ने—

गायक: हरि ओम् शरण

मन मैला और तन को धोए

मन मैला और तन को धोए
फूल को चाहे काँटे बोए-२
करे दिखावा भक्ति का तू
उजली ओढ़े चादरिया
भीतर से मन साफ किया ना
बाहर माँजे गागरिया
परमेश्वर नित द्वार पे आया
तू भोला रहा सोए—मन मैला...
कभी न मन मन्दिर में तूने
प्रेम की जोत जलाई
सुख पाने तू दर-दर भटके
जनम हुआ दुखदाई
अब भी नाम सुमिर ले हरि का
जनम वृथा क्यों खोए—मन मैला
सांसों का अनमोल खजाना
दिन दिन लुटता जाए
मोती लेने आया तट पे
सीप से मन बहलाए
सांचा सुख तो वो ही पाए
शरण प्रभु की होए—मन मैला—

गायक: हरि ओम् शरण

निर्गुण रंगी चादरिया रे

निर्गुण रंगी चादरिया रे,
कोई ओढ़े संत सुजान-२।
कोई-कोई विरला जतन से पावे,
या चुनरी पिय के मन भावे-२।
कितने ओढ़ भये वैरागी,
भये कई मस्तान।
निर्गुण रंगी...

नाम की तार से बुनी चदरिया,
प्रेम भगति से रंगी चदरिया।
सतगुरु कृपा करे तो पावे,
यह अनमोलक दान।
निर्गुण रंगी...

पोथी पढ़-पढ़ नैन गंवावे,
सतगुरु नाथ शरण नहिं आवे।
हरि नारायण निर्गुण सगुण,
सब में ही पहचान।
निर्गुण रंगी...

गायक: हरि ओम् शरण

ये गर्व भरा मस्तक मेरा

ये गर्व भरा मस्तक मेरा,
प्रभु चरण धूल तक झुकने दे।
अहंकार विकार भरे मन को,
निज नाम की माला जपने दे॥
मैं मन के मैल को धो न सका,
ये जीवन तेरा हो न सका,
मैं प्रेमी हूँ, इतना न झुका,
गिर भी पड़ूँ तो उठने दे॥
ये गर्व...

मैं ज्ञान की बातों में खोया,
और कर्महीन पड़कर सोया।
जब आँख खुली तो मन रोया,
जग सोए, मुझको जगने दे।
ये गर्व...

जैसा हूँ मैं खोटा या खरा,
'निर्दोष' शरण में आ तो गया-२।
इक बार ये कह दे—खाली जा,
या प्रीत की रीत छलकने दे॥
ये गर्व...

गायक: हरि ओम् शरण

जय जय जय हनुमान गुसाँई

जय जय जय हनुमान गुसाँई
कृपा करो महाराज।
तन में तुमरे शक्ति विराजे,
मन शक्ति से भीना।
जो जन तुमरी शरण में आवे,
दुःख दर्द हर लीना।
महावीर प्रभु हम दुखियन के,
तुम हो गरीब निवाज।
जय जय जय हनुमान गुसाँई,
कृपा करो महाराज।
राम लखन वैदेही तुम पर,
सदा रहे हर्षाए।
हृदय चीर के, राम सिया का,
दर्शन दिया कराय।
दो कर जोड़ अरज हनुमन्ता,
कहियो प्रभु से आज।
जय जय जय हनुमान गुसाँई,
कृपा करो महाराज।

गायकः हरि ओम् शरण

श्याम पिया मोरी रंग दे चुनरिया

श्याम पिया मोरी रंग दे चुनरिया-२।
रंग दे चुनरियाऽऽऽ रंग दे चुनरियाऽऽऽ
ऐसी रंग दे, रंग नाहीं छूटे-२।
धोबिया धोये चाहे सारी उमरिया।

रंग दे चुनरिया...

बिना रंगाए मैं तो घर नाहीं जाऊँगी-२।
बीत ही जाये चाहे सारी उमरिया।

रंग दे चुनरिया...

लाल न रंगाऊं मैं तो हरी न रंगाऊँ-२।
अपने ही रंग में रंग दे चुनरिया।

श्याम पिया मोरी...

मीरा के प्रभु हरि अविनाशी-२।
हरि चरणन में लागी नजरिया।

रंग दे चुनरिया...

भजन: मीराबाई　　　　गायिका: सुधा मल्होत्रा

मैंने किया द्वारिका वास रे

मैंने किया द्वारिका वास रे!
मैंने किया द्वारिका वास रे,
रणछोड़ जी के मन्दिर।
झूठे मोती माणिक झूठे-२,
झूठे जग की रीत रे।
झूठे पाट पटम्बर साथी,
गिरधर जी की प्रीत रे।
मैंने दीवड़ा दिया जगाये रे,
रणछोड़ जी के मन्दिर।
मैंने किया...
ज्ञान ध्यान की गठरी बाँधे-२
प्रेम मन्त्र को बाँच रे।
हाथ सुमिरिनी पग में घूंघरु,
बाँध करूँगी नाच रे।
मैं क्यों गाऊँ मंगलाचार रे,
रणछोड़ जी के मन्दिर।
मैंने किया...

भजन: सुमित्रा कुमारी सिन्हा **गायिका:** सुधा मल्होत्रा

भज मन मनमोहन अविनाशी

अंखियां जिनके दरस की प्यासी।
भजमन मनमोहन अविनाशी॥

इस काया पर गर्व है कैसा-२,
ये माया की दासी।
तीरथ व्रत में भटक रहा क्यूं,
लेता करवट काशी।
भजमन मनमोहन—

जोगी हुआ जोग नहीं जाना-२
कटी न यम की फाँसी।
श्याम भजन से मिल जायेंगे,
तुझको मथुरा काशी।
भजमन मनमोहन—

कब से दर्श को तरस रही है-२,
जनम जनम की दासी।
आओगे संकट काटोगे,
मन वृन्दावन वासी।
भजमन मनमोहन—

भजन: सरस्वती कुमार दीपक **गायिका:** सुधा मल्होत्रा

जगत में कोई नहीं अपना

जगत में कोई नहीं अपना।
राम नाम ही अपना-२॥

राम बिना जग खाली छाया,
छाया ने सबको भरमाया।
राम दया से सच्चा होता,
सब ही का सपना।
जगत में...

राम पिता हैं राम ही माता-२,
राम नाम का पावन नाता।
सीख लिया मेरे सांसों ने,
राम की माला जपना।
जगत में...

राम नाम की ज्योति सुहानी-२
राम नाम की अमर कहानी।
राम नाम की नैया पर ही,
भवसागर तरना।
जगत में...

भजनः सरस्वती कुमार दीपक **गायिकाः** सुधा मल्होत्रा

हरि ओम् नमो

सब मिलकर बोलो बार-बार
हरि ॐ नमो हरि ॐ नमो।

एक घड़ी आधी घड़ी, आधी से भी आध।
तुलसी संगत संत की, हरे कोटि अपराध॥

सब मिलकर बोलो बार-बार।
हरि ॐ नमो हरि ॐ नमो।

राम नाम की लूट है, लूट सके तो लूट।
अंत काल पछतायेगा, जब प्राण जायेंगे छूट।

सब मिलकर बोलो बार-बार।
हरि ॐ नमो हरि ॐ नमो।

तुलसी या संसार में, सबसे मिलिये धाय।
ना जाने किस भेष में, नारायण मिल जाए।

सब मिलकर बोलो बार-बार।
हरि ॐ नमो हरि ॐ नमो।

गायकः सुधा मल्होत्रा

भज मन राम चरण सुखदाई

भज मन राम चरण सुखदाई-२
जिहिं चरणन से निकसी सुरसरि,
शंकर जटा समाई ऽ ऽ ऽ।
जटा शंकरी नाम परयो है,
त्रिभुवन तारन आई—भज मन...
जपो रे! राम चरन सुखदाई,
जिन चरनन् की चरण पादुका।
भरत रहयो लव लाई ऽ ऽ,
सोई चरण केवट धोई लीने।
तब हरि नाव चढ़ाई—भज मन...
राम राम ऽ ऽ ऽ राम राम ऽ ऽ ऽ
जपो रे! राम चरण सुखदाई।
शिव सनकादिक और ब्रह्मादिक,
शेष सहस मुख गाई।
तुलसीदास मारुत सुत की प्रभु,
निज मुख करत बड़ाई...
भज मन राम—

राम राम ऽ ऽ ऽ राम राम ऽ ऽ ऽ

भजनः तुलसीदास **गायकः** सुधा मल्होत्रा

सुमिरन करले मेरे मना

सुमिरन करले मेरे मना,
तू सुमिरन करले मेरे मना।
तेरी बीती उमर हरि नाम बिना।
कूप नीर बिन, धेनु क्षीर बिन,
धरती मेह बिना ऽ ऽ ऽ,
जैसे तरुवर फल बिना हीना-२
तैसे प्राणी हरि नाम बिना।
सुमिरन करले—

देह नैन बिन, रैन चैन बिन,
मन्दिर दीप बिना ऽ ऽ ऽ।
जैसे पण्डित वेद विहीना-२
तैसे प्राणी हरि नाम बिना।
सुमिरन करले—

काम क्रोध मद लोभ विकारो।
छोड़ जगत तू सन्त जना।
कहे 'नानक' सुनो भगवन्ता-
इस जग में कोई नहीं अपना,
सुमिरन करले—

भजन: गुरु नानकदेव गायक: सुधा मल्होत्रा

कहाँ छोड़ चले नन्दलाल

कहाँ छोड़ चले हे नन्दलाल! हे नन्दलाल!!
कहाँ छोड़ चले हो नन्दलाल! हे नन्दलाल!!
रथ को रोको ना...
मेरी अरज सुनो गोपाल हे गोपाल।
रथ को रोको ना-२
टूटे तारे नील गगन में—
धूल उड़ेगी वृन्दावन में-२
जमुना तट पर जल जायेगी।
हरे कदम्ब की डाल-२
कहाँ छोड़ चले हो—
कौन भरायेगा गागरिया,
कौन बजायेगा बाँसुरिया-२
कौन उठायेगा गोवर्धन,
देख के बृज बेहाल—
कहाँ छोड़ चले हो—
मोर के पंख, गुँज की माला
देख के रोयेंगी ब्रजबाला-२
कब तक राह तकेगी राधा,
हाथ लिए बन माला—
कहाँ छोड़ चले हो—

भजन: योगेश प्रवीण **गायक**: सुधा मल्होत्रा

शिव शिव जप ले

शिव शिव जप ले
ओ मन मेरे!
संकट दूर करेंगे तेरे—शिव...
शंकर हो जिसके रखवाले,
उसके संकट शिव ने टाले-२
भर जाते हैं सुख के प्याले।
हो जाते हैं दूर अन्धेरे—शिव...
जिसने शिवका नाम पुकारा,
दूर हुआ उसका अंधियारा-२
पग-२ पर छाया उजियारा,
कटते जनम जनम के फेरे—शिव...
जो भी शिव की शरण में आया,
उसने जीवन सफल बनाया-२
जग में उसने सब कुछ पाया,
तोड़ दिए माया के घेरे—शिव...

भजन: सरस्वती कुमार दीपक **गायक:** सुधा मल्होत्रा

ओम् श्री राम जै राम

ओम् श्री राम जै राम जै जै राम।
ओम् श्री राम जै राम जै जै राम॥

बोलो राधेश्याम, राधेश्याम-२
ओम् श्री राम जै राम जै जै राम॥

तू है एक तू अनन्त तेरा आदि नहीं अंत-२
गाते साधु और सन्त
सीताराम सीताराम—ओम श्री राम...
जै जै राम जै-२ राम जै जै राम।
तू है सागर समान तेरा नाम है महान॥
जिसने लिया तेरा नाम,
उसके बने सारे काम—ओम श्री राम...
जै जै राम जै-२ राम जै जै राम॥
तू ही शंकर तू ही श्याम
तू ही विष्णु तू ही राम-२
कितना प्यारा तेरा नाम।
कितना प्यारा राम नाम।
चलो गाते सुबह शाम—ओम श्री राम...

भजन: मुरली मनोहर स्वरूप **गायिका:** सुधा मल्होत्रा

जपले हरि का नाम सांझ सकारे

जपले हरि का नाम सांझ सकारे।
अन्तर्यामी दाता हरे दुःख सारे॥
जगत पिता का ध्यान न आया।
मदमाते प्राणी तूने जनम गंवाया॥
कभी नहीं खोले तूने अन्तर द्वारे-२

जपले हरि का नाम...

स्वासों की तो जपले माला।
गुरु कृपा से होए निहाला॥
भवसागर से पार उतारे-२

जपले हरि का नाम...

शरण पड़े बिन निष्फल जीना।
जीवन में शुभ कर्म न कीना॥
यूं ही न प्राणी हीरा जनम गंवारे-२

जपले हरि का नाम...

गायकः हरि ओम् शरण

श्याम राधे हरि श्याम राधे

आ राधे मन श्याम राधे।
श्याम राधे हरि श्याम राधे॥
अमृतमय हरि नाम तिहारा॥
दीनन का हरि ये ही सहारा॥
निशदिन सुमिरे राधे राधे।

श्याम राधे...

मोहन की मुरली नित बाजे,
प्राणन में ही नाम विराजे।
दिन दिन भगती आराधे॥

श्याम राधे...

राधा भक्ति श्याम मिलावे,
आराधना राधा बन जावे।
उनकी शरण हो ध्यान साधे॥

श्याम राधे...

गायक: हरि ओम् शरण

राम रमैया जग रखवारे

राम रमैया, जग रखवारे।
तेरा हमें सहारा हो॥
जीवन नैया तारन हारे।
दिल ने तुम्हें पुकारा हो॥
हो राम रमैया, हो राम रमैया हो राम रमैया

गणिका गीध अजामिल तारे।
तारा सदन कसाई॥
तुलसी के तुम बन गए प्यारे।
तारी मीरा बाई॥
राम रमैया कबीर पुकारे।
हो गए भव से पार, राम...रमैया...
हो राम रमैया, हो राम रमैया, हो राम रमैया

जब हम अंश सनातन तेरे।
क्यों दूरी ये लागे॥
तू ही कृपा करे जो स्वामी।
भीतर ज्योति जागे॥
दयानिधे हे प्राण अधारे।
कर को घट उजियारा, राम रमैया...
हो राम रमैया, हो राम रमैया, हो राम रमैया

द्वारे तेरे आन पड़े हैं।
छोड़ कहां अब जायें॥
तुम सा दाता तारन हारा।
और कहाँ हम पायें॥
शरण लगालो प्राण प्यारे,
रहे न कोई दुखियारा—राम रमैया...
हो राम रमैया, हो राम रमैया, हो राम रमैया
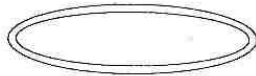
तेरे द्वार खड़ा

"तन तम्बूरा तार मन हरि तुम दिया ये साज।
तुम्हारे हाथों बज रहा, तुम्हारी है आवाज॥"
तेरे द्वार खड़ा आन मिलो मेरे साईं।
मेरे मन में ये आस लगाई।
तेरे द्वार खड़ा आन मिलो मेरे साँईं॥
लागी लगन मेरी तुम्हीं सों।
जग की प्रीत भुलाई-२
तीरथ धाम अनेकन छाने,
कोई खबर न पाई, ओ सांई।

तेरे द्वार खड़ा...

मन मन्दिर में आन विराजो,
भगती से सेज बिछाई–२
बिन दरशन ये बुझ न जाये,
प्रेम की जोत जलाई, हो साँई।

तेरे द्वार खड़ा...

आराधन मेरा स्वीकारो।
ले लो निज शरणाई,
हे करुणामय! कृपा कीजे–२
द्वारे झोली फैलाई, हो सांई।

तेरे द्वार खड़ा...

दुखियों के दुःख हरने वाले,
क्यों मेरी सुध बिसराई–२
तुः बिन मेरी कौन है दाता–२
शरण पड़ें का सहाई, हो सांई।

तेरे द्वार खड़ा...

गायकः हरि ओम् शरण

रोम रोम में बसने वाले राम

हे रोम रोम में बसने वाले राम,
जगत के स्वामी, हे अन्तर्यामी।
मैं तुझ से क्या माँगूं।
आस का बंधन तोड़ चुकी हूँ।
तुम पर सब कुछ छोड़ चुकी हूँ,
नाथ मेरे मैं क्यों कुछ सोचूँ,
तू जाने तेरा काम।

हे रोम रोम—

तेरे चरण की धूल जो पाये,
वह कंकर हीरा बन जाये।
भाग मेरे जो मैंने पाया,
इन चरणों में धाम।

हे रोम रोम—

भेद तेरा कोई क्या पहचाने,
जो तुझ सा हो वो तुझे जाने।
तेरे किये को हम क्या देवें,
भले बुरे का नाम।

हे रोम रोम—

फिर से आ जाओ बलराम कन्हैया

इस देश की है आज भी तूफान में नैया।
भारत में फिर से आ जाओ बलराम कन्हैया॥
सब ओर पड़ा सूखा आधा है देश भूखा।
घनघोर है मंहगाई जनता है तंग आई॥
गलियों में बड़े बड़े अजगर हैं छुपे पड़े।
डसते हैं आज नाग हमें हे नाग नथय्या॥

भारत...

महलों में है दीवाली कुटियों में रात काली।
कुछ लोग सुख से जीते बाकी हैं आँसू पीते॥
ये देश की है सूरत, अब आओ है जरूरत।
लाखों सुदामाओं की है सुनसान मढ़य्या।

भारत...

ये सोच रहे हैं सभी, ऐसा न था वक्त कभी।
बच्चे न दूध पाते, माँ बाप छटपटाते।
हे दीन बन्धु आओ, करुणा के सिन्धु आओ।
कटती लाखों हर साल यहां गोपाल तेरी गय्या॥

भारत...

जिसका प्रीतम नंद किशोर है

कोई बता दो पता पिया का कहाँ मेरा चित चोर,
मैं वो प्रेम दीवानी जिसका प्रीतम नन्द किशोर।
जिसकी सोहनी है सूरत, मन मोहनी है मूरत,
ऐसे सांवरिया से जाने कब होगा मिलन।

दूर दिशा में मुरलिया बोले,
तान-तान पर जिया मेरा डोले।
जिसका नाम है वंशी वाला,
जिसने छुप-छुप जादू डाला।
ऐसे नटखट से मेरे कब लड़ेंगे नयन॥

जिसकी—

जाने किस दिन आयेंगे सैय्याँ,
प्यार से मोरी पकड़ेंगे बय्याँ।
जिसका सुन्दर है वरन,
जिनका रूप मनमोहन।
ऐसे प्रभु मुझे कब देंगे दर्शन॥

जिसकी—

जब जब नभ में बादल छाते,
मुझे घनश्याम मेरे याद आते।
जिसको माना मन ही मन मैंने अपना जीवन धन,
ऐसे पिया जी की मैं कब बनूँगी दुल्हन॥

जिसकी—

प्यारा ये नंदलाल

बड़ा है बांका तेरा देवरिया प्यारा ये नन्दलाल,
आज है धन्य जन्म दिन इसका दो रे नगारों में ताल।
मथुरा में जन्मे गोकुल में खेले
फिर आये द्वारकाधाम, श्याम जी का क्या कहना।
गोपियों के प्यार में माखन चुराके,
दुनिया में हुए बदनाम। श्याम...
बचपन में थे बड़े नटखट कान्हा,
बस इसका धन्धा था सबको सताना।
गगरिया पटकते कभी, चुनरिया झटकते कभी,
कुंज में भटकते कभी घाट पर मटकते कभी।
अद्भुत थे सब इनके काम,
श्याम जी का क्या कहना। मथुरा...
बाहर से कुछ है भीतर से कुछ है,
हमारे ये गोविन्द गोपाला।
गोरी गोरी गुड़ियों सी ब्रज बालाओं,
पे लट्टू बड़े थे ये लाला।
गोरे बदन जहाँ जहां तिरछे नयन जहाँ जहां,
वहाँ वहाँ इनका मुकाम, श्याम जी का क्या कहना।

● ●

मोर बोले चकोर बोले

मोर बोले चकोर बोले,
आज राधा के नैनों में श्याम डोले।
श्याम मेरी फीकी फीकी अंखियों का कजरा,
यही मेरी सूनी सूनी बगियों का गजरा।
मेरे जीवन में रस की फुहार डोले—
आज राधा—

दूर से कन्हैया ने मुझको पुकारा,
मुरली की धुन में किया इशारा।
मेरे सपने की वीना के तार बोले...
आज राधा—

आज मेरे मन की लगन रंग लायी,
प्यार का संदेशा भी संग संग लायी।
मेरे बगिया में छम छम बहार बोले...
आज राधा—